Literacy for a Billion

Movie: Laawaris
Year: 1981

Song: Kab Ke Bichde Hue Hum Aaj
Lyricist: Anjaan

कबके बिछड़े हुए हम आज
कहाँ आके मिले
जैसे शम्आ से कहीं लौ ये
झिलमिलाके मिले
आ ...

कबके बिछड़े हुए हम आज
कहाँ आके मिले
जैसे सावन जैसे सावन
जैसे सावन से
कहीं प्यासी घटा छाके मिले

कबके बिछड़े हुए हम आज
कहाँ आके मिले
कबके बिछड़े कबके बिछड़े

बाद मुद्दत के
रात महकी है
दिल धड़कता है
साँस बहकी है
प्यार छलका है
प्यासी आँखों से
सुर्ख़ होंठों पे
आग दहकी है

महकी हवाओं में
बहकी फ़िज़ाओं में
दो प्यासे दिल यों मिले
दो प्यासे दिल यों मिले

जैसे मैकश जैसे मैकश
जैसे मैकश कोई साक़ी से
डगमगाके मिले

कबके बिछड़े हुए हम आज
कहाँ आके मिले
कबके बिछड़े कबके बिछड़े

दूर शहनाई गाती है
दिल के तारों को छेड़ जाती है
दिल के तारों को छेड़ जाती है

यूँ सपनों के फूल यहाँ खिलते हैं
यूँ दुआ दिल की रँग लाती है
यूँ दुआ दिल की रँग लाती है
आ ...

बरसों के बेगाने
उल्फ़त के दीवाने
अनजाने ऐसे मिले
अनजाने ऐसे मिले

जैसे मनचाही जैसे मनचाही
जैसे मनचाही
बरसों आज़माके मिले

कबके बिछड़े हुए हम आज
कहाँ आके मिले
जैसे सावन से

कहीं प्यासी घटा छाके मिले कहाँ आके मिले
कबके बिछड़े हुए हम आज कबके बिछड़े कबके बिछड़े

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.